Total No. of Printed Pages—3

6 SEM TDC GEHN (CBCS) 6.1

2023

(May/June)

HINDI

(Generic Elective)

Paper : GE-6.1

(पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकास कहाँ हुआ?

(ख) स्वच्छंदतावाद का बोलबाला कब रहा?

(ग) अस्तित्ववाद के जनक कौन हैं?

(घ) मनोविश्लेषणवाद के जन्मदाता कौन हैं?

(ङ) मार्क्सवाद का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(च) "सच्चा यथार्थवादी बाह्य जगत् के चित्रण के साथ-साथ मानव की मानसिक वृत्तियों का भी चित्रण करता है।" यह कथन किसने कहा है?

(छ) मिथकीय समीक्षा के सर्वाधिक समर्थ प्रवक्ता कौन हैं?

(ज) बिम्ब वस्तु का कैसा चित्रण है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) यूरोपीय साहित्य के अभिव्यंजनावाद पर संक्षेप में लिखिए।

(ख) स्वच्छंदतावाद के विकास के क्या-क्या कारण थे? लिखिए।

(ग) अस्तित्ववाद की किन्हीं चार धारणाओं का वर्णन कीजिए।

(घ) मनोविश्लेषणवाद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ङ) मार्क्सवादी चिन्तन के द्वंद्वात्मक भौतिकवाद को संक्षेप में बाताइए।

(च) मिथक की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 14×4=56

(क) अभिव्यंजनावाद का संक्षेप में उल्लेख करते हुए इसकी मान्यताओं का साहित्य पर जो प्रभाव पड़ा, उसका मूल्यांकन कीजिए।

(ख) हिन्दी में स्वच्छंदतावादी आंदोलन को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) अस्तित्ववाद के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालते हुए इसकी आधारभूत धारणाओं का विवेचन कीजिए।

(घ) मनोविश्लेषणवाद संबंधी फ्रायड की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

(ङ) मार्क्सवाद की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए साहित्य के संबंध में विचारों का उल्लेख कीजिए।

(च) यथार्थवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(छ) कल्पना के संदर्भ में कॉलरिज के विचारों को विस्तार-पूर्वक लिखिए।

★★★